

ICAR-DCFR, Organized three-days Training Under SCSP on “Empowering SC Fish Farmers through Skill Development in Carp and Trout Farming” at village Chachai, Bageshwar

Under the Scheduled Caste Subproject of the Directorate, a three-day training programme was arranged on November 28–30, 2023, at village Chachi in Bageshwar. The primary focus was on imparting and disseminating knowledge and practical skills on scientific methods for carp and trout farming, with the goal of improving livelihood opportunities in remote areas predominantly inhabited by Scheduled Caste communities and empowering them by developing sustainable and prosperous fish farming practices in the region. The training was organised in a remote village, Chachai, located in the Kapkot block at a distance of about 15 km from the district headquarter of Bageshwar. A total of 54 enthusiastic farmers from nearby villages such as Sumti, Baishani, Nankanyalikoat, Harshila, and Chachai took part. Throughout the training sessions, farmers gained insights into critical aspects of fish farming, including the careful selection of suitable sites, stocking methods for various fish species, cost-effective feed application, disease identification and prevention, maintenance of optimal water quality, and value addition of fish products. They were taken to the pond site for live demonstrations, and all the sessions were made interactive. In this area, around 40 fish ponds have been constructed, currently serving as sites for fish farming activities. The abundant year-round water flow in local streams represents a valuable resource that, when harnessed efficiently for fish farming, can provide a sustainable source of livelihood and additional income for villagers. This initiative has the potential to develop into a flourishing cluster of trout and fish farming, elevating the income of villagers and bringing prosperity to the local community. Moreover, the water used in fish farming can be repurposed for other agricultural activities, further enhancing the overall benefits for the community. Considering the fish farming potential of the area, two programmes were also organised earlier by this directorate.

The training was conducted under the guidance of Director Dr. Pramod Kumar Pandey and was coordinated by ist Dr. Suresh Chandra, Principal Scientist. Bageshwar District Fisheries Officer, Shri Manoj Singh Miyan, also shared valuable information on fish farming, along with informing villagers about departmental schemes. Fisheries Inspector Shri Birendra Mohan provided an overview of the ongoing fish farming activities in Bageshwar district. Sri Kedar Ram and Hema Devi from Chachai assisted in making local arrangements. The fifty-four farmers attended the course. After successful completion of the training, the certificates were distributed. The programme ended with a formal vote of thanks by Dr. S. Chandra.



Training is in Progress on day first 28.11.2023 at a village Chachai (Kapkot), Bageshwar



Day First of the training , State Fisheries Dept Officials Shri Birander Kumar also interacted with fish farmers of the area





Demonstrations on fish pond water quality monitoring during the training



Second day of training on 29.11.2023 at Village Chachai(Kapkot)Bageshwar



Second day of training on 29.11.2023 at Village Chachai(Kapkot)Bageshwar



Training participants



A progressive fish farmer Shri Kedar Ram receiving the certificate



After successfully completion of the 3 days training, participants receiving the Certificates



Third day of the training on Empowering the Scheduled Caste Fish Farmers through Skill Development in Carp and Trout farming



Field visit to fish farmer's ponds and raceways located at Chachai, a very Remote village in Kapkot block



Visit to farmers raceways

In Newspapers



ट्राउट मछली उत्पादन की जानकारी दी किसानों को

तहसील चचई गांव में कार्प और ट्राउट मछली पालन में कौशल विकास को शिविर आयोजित किया गया। जिसमें अनुसूचित जाति के किसानों को तीन दिनों...

Newsrap • हिन्दुस्तान टाइम्स रायपुर

Tue, 05 Dec 2023 11:00 PM



हमें फॉलो करें

कपकोट, संवाददाता। तहसील चचई गांव में कार्प और ट्राउट मछली पालन में कौशल विकास को शिविर आयोजित किया गया। जिसमें अनुसूचित जाति के किसानों को तीन दिनों तक प्रशिक्षित किया गया। किसानों के सशक्तीकरण के लिए डीसीएफआर, भीमताल ने यह शिविर लगाया।

भीमताल स्थित, शीतजल मात्स्यकी अनुसंधान निदेशालय ने अनुसूचित जाति के लिए आजीविका उपयोगी मछली पालन की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी। शिविर में ग्राम सुमटी, बैसानी नान-कन्यालीकोट, हरसीला चचई आदि गांवों के 53 किसानों ने प्रतिभाग किया। किसानों को मत्स्य पालन के लिए उचित जगह का चयन, प्रजातियों की संचय विधियां और पाले जाने वाली मछली के प्रकार, आहार प्रयोग, बिमारियों की पहचान, रोकथाम, उत्तम जलीय गुणवत्ता के रखरखाव को प्रशिक्षित किया गया। क्षेत्र में लगभग 40 मत्स्य तालाबों का निर्माण किया गया है। वर्तमान में मत्स्य पालन हो रहा है।

डीसीएफआर निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार पांडे के निर्देशन पर प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुरेश चंद्र कबडवाल, अनुसंधान कर्मी सोहन सिंह धपोला, जिला मत्स्य प्रभारी मंगोज सिंह मियान, गौरव कुमार आदि ने प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर कृषक केदार राम, हेमा देवी, भागुली देवी, सीता देवी, देतुली देवी, सरुली देवी, योगिता देवी, दयाल चंद्र, बहादुर राम, कालू राम, इंद्र राम, रमेश राम आदि उपस्थित थे।

53 ग्रामीणों ने सीखे मछली पालन के गुर

बागेश्वर। जिले के चचई गांव में अनुसूचित जाति के लोगों के लिए तीन दिनों मछली पालन प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। शीतजल मत्स्यकी अनुसंधान निदेशालय भीमताल के वैज्ञानिकों ने ग्रामीणों को मछली पालन के बारे में जानकारी दी। ग्रामीणों को मत्स्य पालन कर आजीविका अर्जित करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण शिविर में चचई, सुमटी, बैसानी, नानकन्यालीकोट और हरसीला से 53 ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। भीमताल से आए वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद कुमार पांडेय और डॉ. सुरेश चंद्र कबडवाल ने ग्रामीणों को मछली पालन के लिए उचित जगह का चयन, मछली प्रजातियों की संचय विधि, पाली जाने वाली मछली के प्रकार, मछलियों के आहार, उनमें होने वाली बीमारियां और रोकथाम, उत्तम जलीय गुणवत्ता और मछलियों के रखरखाव के बारे में जानकारी दी। संवाद

कार्प व ट्राउट मछली पालन के किसानों ने सीखे गुर



चचई में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के दौरान मत्स्य कृषक • जागरण

जास, बागेश्वर : कपकोट के चचई गांव में कार्प और ट्राउट मछली पालन में कौशल विकास को शिविर आयोजित किया गया। जिसमें अनुसूचित जाति के किसानों को तीन दिनों तक प्रशिक्षित किया गया। किसानों के सशक्तीकरण के लिए डीसीएफआर, भीमताल ने यह शिविर लगाया।

भीमताल स्थित शीतजल मात्स्यकी अनुसंधान निदेशालय ने आजीविका उपयोगी मछली पालन की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी।

शिविर में ग्राम सुमटी, बैसानी नान-कन्यालीकोट, हरसीला चचई आदि गांवों के 53 किसानों ने प्रतिभाग किया। किसानों को मत्स्य पालन के लिए उचित जगह का चयन, प्रजातियों की संचय विधियां और पाले जाने वाली मछली के प्रकार, आहार प्रयोग, बिमारियों की पहचान, रोकथाम, उत्तम जलीय गुणवत्ता के रखरखाव को प्रशिक्षित किया गया। क्षेत्र में लगभग 40 मत्स्य तालाबों का निर्माण किया गया है। वर्तमान में मत्स्य पालन हो रहा है।